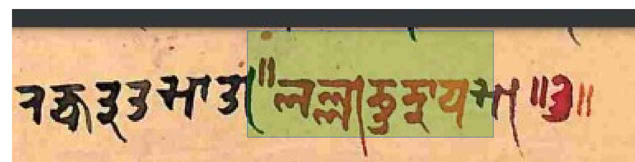
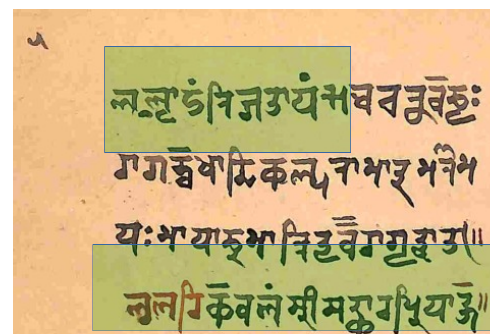
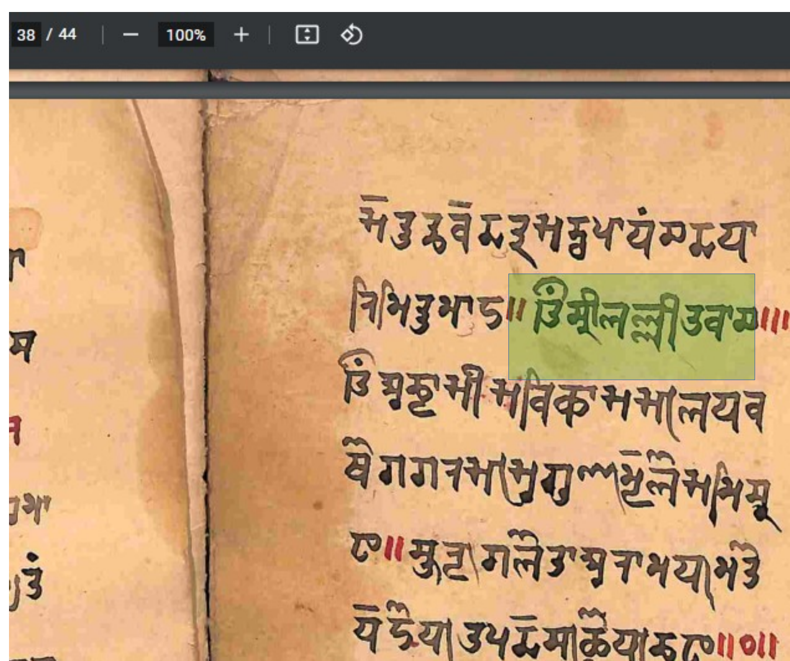
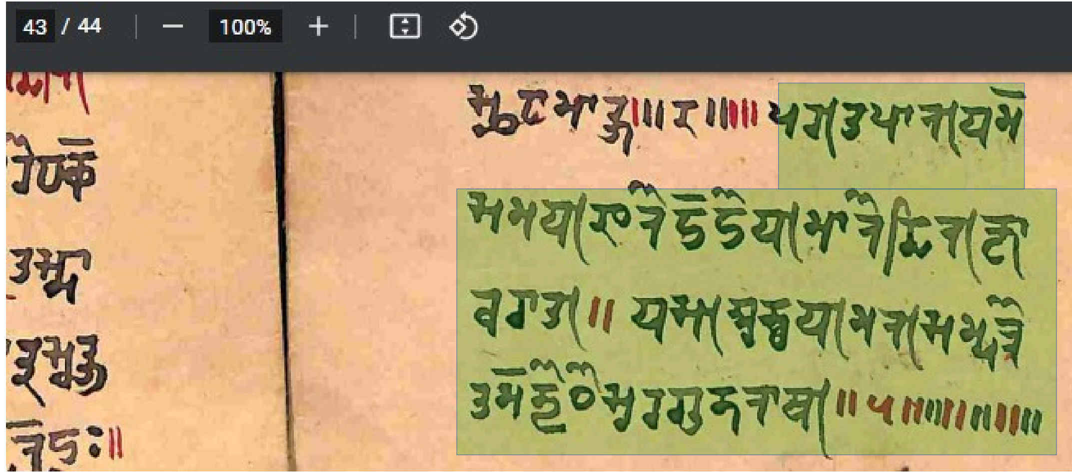
kulgam21.pdf

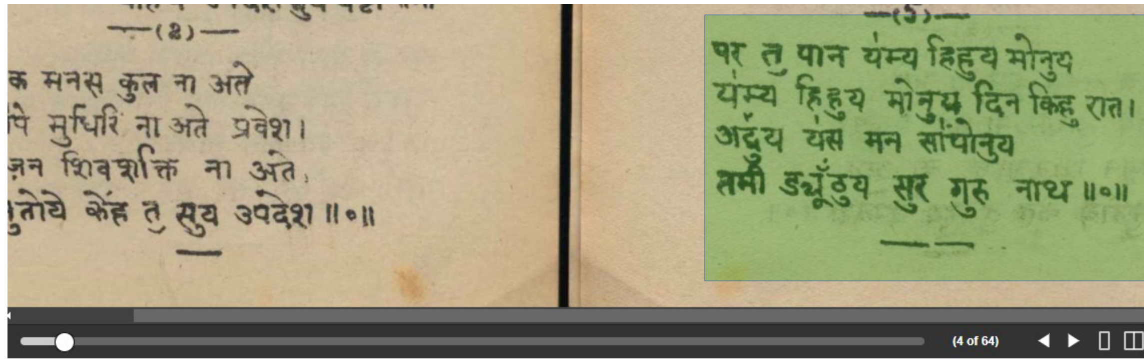
This manuscript includes teachings of Mata Lalleshwari











—(५)—

पर तु पान यंम्य हिहुय मोनुय
यंम्य हिहुय मोनुय दिन किहु रात।
अंदुय यंस मन सांपोनुय
तमी ड्यूँठुय सुर गुरु नाथ ॥०॥

Amrita Vani (Lalla Vakya) I Lalleshwari

https://archive.org/details/AmritaVaniLallaVakyaILalleshwari/page/n3/mode/2up

6.] LALLĀ-VĀKYĀNI

[Rājānaka Bhāskara's Sanskrit translation.

ātmā parō dinaṁ rātrir yasya sarvam idaṁ samam
bhātam advaitamanasas tēna dṛṣṭō 'marēśvaraḥ

(From the printed edition.)

The following is the text of Stein B:—

पर् ता पान् ॥ यमी समोय् मानो
हिहोय् मानोन् दिन् त रात् ॥
यमी अद्वय् मन् सम्पन्नो
तमी दिट्ठो सुरगुरुनाथ् ॥ २९ ॥

https://archive.org/details/LallaVakyaniTheWiseSayingsOfLalDedSirGeorgeGrierson/page/n17/mode/2up

॥ ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

॥ ॐ नमः भगवते ॥

॥ ॐ मङ्गलमूर्तये नमः ॥

ॐ वक्रतुण्ड ब्रह्म विष्णु इन्द्र

भगीवते ॥ लक्ष्मीपति आपार

रूप हरि कांते सर्वेभ्यो नमः ॥ वक्र

तुण्ड ॥ एक दंत महा सुव

र्ण वर्ण सुपर्ण आकार वक्रतुं

ड तुण्ड ब्रह्म विष्णु हर महेश कण्ठ

संतोष ॥ भगीवते ॥ क्रुद्ध

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

उत्तुङ्गिमहसानुपान्तस्थितीर्थ
गीरवति । फलपत्रनिमित्तं वा ह्यपत्र
वर्त्तेपूर्वं कालेऽस्मिन्यथा । भाव
पतीर्थतुः भैरवं स्थाने पहेत्तुमहाम
त्रुपनिवर्त्ते । सामङ्गलेस्थिवकस्थप
फलंपत्रं महाभाग्यं विभवत्तेपकम
महाभागिभैरवं स्थाने स्वप्नस्तुतिनाम
स्थित्तेविविकपठ्ये कैत्तेविलयः ॥
सायस्थिपद्यपस्थितिनृत्ययलस्तुत्य
तिर्थं । यस्मिन्कालेऽस्मिन्यथा भृङ्गराज
लितं भैरवं स्थितम् उत्तःपस्तुतीर्थं विवक
पठ्येपिविशमभागत्स्थितुं यत्तु हात्तेयम

उक्तं हि भगवता सूर्येण श्रीवीरा
वीरनाथे, चलयत्रिमित्रधृक्षेय
तत्तेषु बद्धकलायां यथा, भवे
परीक्षुतः सत्तेष्ट रलिङ्गेतु मध्यम
तुपवितत्तत्, सत्कृलावधृक्षय
चलंप्रतं भत्त्वा भाव्यं विभक्त्वा तथ्यतम
मध्यमादिसत्रेष्ट र प्रयत्नात्रिनाम
जित्त्वाविवेकजन्मकोटिविलयः॥
सापि तिथ्यादयमादिगुल्म्रलमध्य
स्थितं, समीरकलायां यथा भङ्गग
लितं भवेत् सिद्धम् ततः प्रवृत्तिरभ्रविवेक
जन्मापि विकासमावं स्थितं यत्तत्त्वतियाद

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

०१

ॐ

[illegible]

सिवागेगउँ कैमवापलनमा वृद्ध
पायडाि उलसिमा॥ येगीयेग
कलियगारुतिमा कमे टवाम्र
म्रुवागापिण्मिरमा॥ ०८॥
सिवगेगउँ॥ सिवेमकागप्रेमल्ले
कैउम्रुवडनमम्रुः कैमवापल
नमा कैमवेधूकागनामकप्रुपं
रुवाल्लेकम्रुवडनामनाडि
पद्दाल्लमा॥ वृद्धपायडाि उलमा
वृद्धवेटेधूकाउपंउल्लेकैम्रे
वकमरुमीमेपानम्रुप्रेउउद्ध

म्रयउरुवरुल्लामउ॥ येगीपगरुद्धमा
येगीपनयेद्रियेयेगप्रूनमंरुरा
नेनपम्रुउद्धंटेवमिटरुः॥
नउकैटेवःकिंनमकिंरुपकःकिमा
म्रुमेकिंवल्लणसीउरुम्रुवाद्धरुम्र
किमुमेरुवदिरुमद्धा॥ ०८॥
म्रुद्धउआमम्रुरुपाम्रुटलयाउमान
वानवल्लानरुपानगेम्रुग॥ म्रुरुति
नाटवद्धवडवानेयामेयाटेवाम्र
म्रुवागापिणम्रुनिमा॥ ०५॥
म्रुनाडउःमम्रुरुपेयेमेमेकमटाम
उेयकम्रुउउंयाउम्रुटलयंरुद्धियेगान

[illegible]

[illegible]

[illegible]

निरभयमभूत्, ईश्वर उवाच
निर्भ्रये निष्पन्ने भावे एतद्गुरुवसि
लावण्यं समाधि उः इति लय
मायां इति डः॥ इति डि इति लयं
इति वि इति डी इति वे म इति मिवः॥ उद्धृ
त, पिण्डेनु उद्धव भावस्फुरत्ता ज्ञा
नेत्र स्मृत्य उत्तन पं गतिं य इति न
वाति स्पुरवति उत्तम स्मरः कृष्ण
उक्तं स्फुरन्पुरा ज्ञविस्मारी इति डकि
मानीसु यमे ठगति ज्ञानवाति स्फु
पुनर्ज्ञात्वा भंपातिद् उत्तम स्मरः

प्रणामकारणम् उक्तं स्फुरति
वनाकस्मित् स्मि इति डा प्रु इतिवाल
ये व उस्मि ज्ञानविनाराय ल्लकरि
भूमे डकतर्कत बुद्ध दबुध्येर
कद्म भापका॥ उद्धः॥ केमुपा मितुर
मंस्फु मियत्र मेक्ता मिद्धासमद्भ॥॥
कामकलाप्रकरणम् श्रीमद्ध
ल्पविकल्पद्धकमनः सव स्मृधुः
ज्ञव द्धृल्ल गीसारस्वकाग्रमद्भ मे
ममास्मारत॥ उद्धं निष्पन्नं भावद्म
म ज्ञात्वा नंमंविस्मारवाक्रुवस्मिद्धये

भाविसत्त्वपेयोनिमत्तेडेयंथ्रुं
मेकंरूवत्रिउत्तूउः॥॥॥॥॥केशुभि
तूंरूगत्तुरत्रमुंभमयः।पतूंपृ
म।नमकूरपुरंश्रद्दाभिउद्विपदय
क्षित्रिकेषिन्नुयाभपुगममौडिउल्ले
कश्नुकश्नरुरुम्उरुवत्रु।गीक्काऊ
रवत्रिउत्तमत्त्॥ॐ॥॥॥॥॥॥॥॥॥
शुभाकुलापक्रेनिंभाभाभिभनिवा
भाश्चैमनाडि॥यत्तेमक्कररुऊ।
प्रशुभाभकरभाभाभाभनानाडि
॥०३॥ शुभाउरुवाभिउद्दधकभाभाउनिङ्कं

॥कुलापक्रेनिंभाभा॥उम्मनत्तः
प्रउःभात्रिकवाभिलारउय्यु
वाष्ठवाभ्भंविरुडिकंवाष्ठउि
भया।उक्नुउरुवल्लेकः।भिभनि
वभाक्नेमनाडि॥यमभनेभया
त्रुःकैंडैकिद्विनाश्रिभि॥उम
भीऊउ॥यत्तेमक्कररुऊरुउभा॥
शिक्किवाकुयेगाययुक्रुरुवाभि
रुत्रिमक्कः।भविमूलरुङ्क
शाक्कक्करमुरुऊयः॥भकरभाभा
भाभनानाडि।भयाभिउ।नलिघृउ

ह्ने नगतु ह्न भतु ग ह्न व विहृः
किहु नउ ॥ नतु ऊ उल्ल यभ ह्न ग ह्नि
ल्लैकेषु गतु ह्न भ। किहु नउ ॥ नभ मु
गनु ल्लैकेषु वृह्न कु व नामि षु गतु
हूं ॥ किहु नउ ॥ ऊउः विष्णु ल्लैकेषु
व मिवल्लैके पि गतु हूं ॥ ऊ उ ँ उ
किंउ म नभयं यं पवं ह्न तु क म मनि
ऊं यउ ह्नि व ह्न ऊ यं भिह्न तु वे ण
नह्न ह्न व ह्न भ व ह्न यी ह्न ह्न ग
ह्न मिट ऊः ॥॥॥ नतु मिव ह्न ऊ यभि
ह्न तु वे ण ह्न नयायिः क ह्न ह्न नयह्न

ॐ ह्न म ह्न ॥ ० ॥॥॥ भ्रह्न ह्न मेउ
यह्न उल्लगा ह्न नै सा गे ह्न कल्लै
ह्न उ वनै सा ह्न ह्न यी ह्न भ ॥ ये
मैय षैया ह्न पि उ भा उ षै याव
ल्लमैया ह्नि या उ ह्न व ह्न भा ह्न ह्न
भ ॥ उ० ॥॥ भ्रह्न ँउ ॥ उह्न विम
ह्न ह्न ः भ ह्न ह्न प म नाकानकः
भापु भापु मा ह्न ॥ ह्न म उ यह्न उ
ल्लगा ह्न नै सा गे कल्लै ह्न ह्न पिमू
ह्न पि नि ह्न नैनि गि ह्नि ये यैग यु
ऊ ऊ व ह्न ह्न पि म वं ह्न तुः विम ह्न
मा ह्न उः भ ह्न उ नै ऊ व ह्न ह्न व उ ह्न

रु रूक्रु तुरेखु उद्रुम्भुमभे रे
रूरु ॥ मूरु वनेरण रुद्रुय श्रुमा
यउःकर ॥ व जेयं विम्र ढेम्
रूवद्धुयं ॥ भरु तुरे ॥ मरे ॥
श्रवा त्रुस्त्रि त्रिमं रूउ ॥ उभ्रि
त्रि ॥ यभेयवेम्ये ॥ भ्रवाग्वंयेय
वाकवामकवयत्रि उम ॥
उभा उवेयावला ॥ उम उवं उव
वामं निगढिभानद्दत्रिगडक
ग ॥ केभलद्दसूकवयना ॥
भेयक्रियाउद्धुवमआसूरूआ माप
काम्रुउद्रु रुनविणि उद्धविमार

नम्रिमिवभुरूपमिद्रुकमाम्रु
भुद्म वंलिम्रुकागम्न ॥ लद्र
मरूउयम् श्वविहु नाम उजीयं
यागं म्वमिमझ नंकवद्ध भकला
विमेयंनिम्रलं मिम्र द्भुरूनसुरु
यं उद्दाग्रुकमाग द्दं येभेमउपु
येयांभेमवरूरू त्रिकेवन्न मिद्रुरुः ॥ ॥
रूक्रियेगाग उं उक्काकम्रदृम्र
ग वेंग्यवकः रुशुवाभिनः मरुक
म्रुरूवत्रिलिक उत्तुमस्रुड ॥ ३३ ॥ ॥
मनमारुवमन माक्रि उकेयउ नाग
रूपा ॥ लिकलिम्रुरुनाकेटउलु

[illegible]

[illegible]

ॐ

ते यभा उगि मे स्व न्न वि [illegible] ला॥७२
मील उभा नहिया॥ सुहु निल्लेय भू
मील उि भू न्नः सु उ त्रुण म्हू ये
सीमाग न्व वे मु स्लि वभु मूपे नि उभ
यः॥ पत्रेहित्रु॥ सुमि दू उ पिव
रु हू तु गं मि भ्रयं भम भभु लं भव
ब्रुपकभ न्नुम वे भै कै रुवमि, त्व
माप नं प उ पित्रु के य व मालमु
तु ज उ य भ तु तु उि तु प कं नी व भ
॥ यव भ व म उ भै त्र म क भं ने पलि
भू उ॥ भवरु वभु उि म उ उ व तु ने प
लि भू उ॥ उहूभा उि॥ भहू यँ गँ भै ला यहु
भ वा

सु उ रु व यः क त्रि दु न प भ यत्र
उत्रु उ उ वि ल यं कौ उ वि ष य वा
भ न भ ला मि भ धु क व दु गे भ
गा ये गा हू भा पू भू व ल य हु न
नि हू वै ग गै न उमु य भे गरु पे भ
नै पि ये भ उ व ल वी उ व रु भ ब्रु ले
भै भमु व ल ग गि सु मि भू भ उ
गु रु रु त्रि य त्री उं सु य तु भा य भ
वि दु नै रु व हू व उ ग मि है नु सुरु
रु त्रु मि है म य उ॥ उ य भा उ गि॥
स्व उ रु व धु ः भा न भा वा उि भ दि उं
एका गू रु व नि वा उि कै उ यः॥ भै भ दु
वि उ ला

ॐ

ॐ

[illegible]

विल्वयभा रत्नानीतुमि रत्तृव त्नेम
न्नृमेनाम, मना न्ठमामृ तुन्ठ त्रिम्रकृ
ठपमा न्ठतल्नागगानमाकैनेविकमि
मवन्ठतलं मातुविन्ठगग नेद्वि ती
येपाटि, मनेमयमान्नृमेपितवान्तृती
येपाटात्नुरेमागिद्विन्ठ वनेमे, मौप
धुपटिकरैतिविलयभा मन्नेनागमृ
मेनामावम प्रत्वपतुमलं पवाम
न्नृमा, मुतुन्न न्नृतिरानेगमृल्नि मबक
लानं न्ठतटधमावभ्रा यं यव मिव
प्रसानागुनामिसातुसू उटपानेसर

पनौधृ पाने उरुयेद रविल
येमः मेमप्रदाद्भकोभ्रुरूः
ननुसावः न्ठाद्वि पामामिन्नौरु
न्नृखंस्रनाउिउद्वं णन्न मीतुरुधुडः
न्ठवतियभानुमुमिन्ठुगमावनम
न्ठवन्नृनयु न्ठेनवपगमाउ, धुपितुरि
तुमतु ॥७१॥ ॥ प्रियनगाडि
ननेममनारुरेन्नरुयमेक्षुनेत
मागयापमु॥ मासुगर्केसाडा
यमरुन्नुन्नुरेमदनेयापमेया
पन्नामु॥७२॥ प्रियनगाडिन

[illegible]

श्रुविमानसापि तस्मिंस्तमण्डमा
वनान्तकावान ॥३३॥ यथक्रम
लि॥ गुडन्नुंवनालि, नविवयग
लि किमृह्दहूंतवसंमीतनिवा
न्कुमण्किमानवविज्ञितमनसुतं
यक्कवतिभवल्लवानु वतान
तमस्नुतमा ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

त्रिशूल [illegible] ॥
[illegible] ॥
[illegible] विलीयतेऽतः ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

८

लल्हूं ङंनिज्ञतयं भवव त्रुवेहः

ऽगह्वेषाद्रिकल्प नभाइ भवेभ

यः भयाहृभा त्रिहृवैंगग्गहृत ॥

ललनि केवलं स्रीमक्तगधुयाॐ ॥

म्रिनाक्तवगत। मुङत्रिमंननाङ्व

ॐलप्रज्ञामयेधुपामनाद्मियत्र

ते। यउतेक्तुद्ग। ऊमनालक्तुभा। उ

भाद्विमाउंकुतङं। पामंगभना

द्वनवतानं यघा। वैह्मेभापङ्ग। उउः

सुविमानेल्लमयल्लन। मभूग्निमपः

ऊद्गद्वस्मभिमवस्लपस्रद्मपञ्चि

ञपवभाद्धमैवयः। पननिगानि। मुग

हुस्म। क्रिया। स्नन। मज्ञिमंह्मिक

कुमिक्षानेक्षितः। मुउापवनधुंमेडः

भ्रत्रिल्नवु। यघाभुकडेक्षिक्सु

ङंनभुङभा ञमलहृते। मैयागैभभा ॥

नद्यारुतभाउ। उङ्गलउद्गद्याद्गमि

मिवद्धयेगभद्वदुनंगृङते द्विमना

यघाउघायितेम्भनयत्रिहृऊः ॥॥॥

ननउहे गाक्तामंमकिं। उङ्गक्तुपल्लनंम

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]